भारतीय संविधान में अधिकार Important Questions Class 11 Political Science Book 2 Chapter 2 in Hindi

1 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 अधिकारों का घोषणा–पत्र किसे कहते है?

उत्तर – संविधान द्वार प्रदत्त और संरक्षित अधिकारों की सूची को अधिकारों का घोषणा पत्र कहते है।

प्रश्न 2 किसी एक व्यक्ति के नागरिक अधिकारों को अन्य व्यक्ति या निजी संगठन से खतरा है। इस स्थिति में खतरे से सुरक्षा कौन प्रदान करेगा?

उत्तर – सरकार।

प्रश्न 3 मोतीलाल नेहरू समिति क्या थी?

उत्तर – 1928 में, स्वतंत्रता सेनानी मोती लाल नेहरू द्वारा अंग्रेजों से भारतीयों के लिए अधिकारों के एक घोषणा पत्र की मांग की, उसे नेहरू समिति कहा गया।

प्रश्न 4 सामान्य अधिकार किसे कहते है?

उत्तर – वे अधिकार जो साधारण कानूनों की सहायता से लागू किये जाते है।

प्रश्न 5 मौलिक (मूल) अधिकारो से क्या अभिप्राय है?

उत्तर – क्योंकि यह व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास में सहायक होते है।

प्रश्न 6 दक्षिण अफ्रीका का संविधान कब लागू हुआ?

उत्तर – दिसम्बर 1996 में

प्रश्न 7 दुनियां में संभवतः सबसे अधिक व्यापक अधिकार किन नागरिकों को मिले है?

उत्तर – दक्षिण अफ्रीका के नागरिकों को।

प्रश्न 8 क्या मौलिक अधिकार पूर्ण अधिकार है?

उत्तर – नहीं, यह पूर्ण नहीं हैं कुछ विशेष परिस्थितियों (आपातकाल) में निलंम्बित भी किया जा सकता है।

प्रश्न 9 भारतीय संविधान के किस भाग में मौलिक अधिकार वर्णित हैं?

उत्तर – भाग तीन में।

प्रश्न 10 कौन-सा अनुच्छेद कहता है कि आरक्षण जैसी नीति को समानता के अधिकार के उल्लंघन के रूप में नही देखा जा सकता।

उत्तर – अनुच्छेद-16 (4)।

प्रश्न 11 निवारक नजरबंदी किसे कहते है?

उत्तर – किसी व्यक्ति को इस आशंका के आधार पर गिरफ्तार करना कि वह कोई गैर-कानूनी कार्य करने वाला है, इसे ही निवारक नजरबंदी कहते है।

प्रश्न 12 परमादेश का क्या अर्थ है?

उत्तर – अर्थ है-हम आदेश देते हैं। निचली अदालत अथवा किसी व्यक्ति को अपना कर्तव्य करने के लिए मजबूर करना ।

प्रश्न 13 अधिकार पृच्छा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – यह आदेश (रिट) उस व्यक्ति के खिलाफ जारी होता है, जिसने गलत तौर पर पद हासिल कर लिया हो।

प्रश्न 14 उत्प्रेषण रिट क्या होती है?

उत्तर – उत्प्रेषण रिट का अर्थ है- हमें सूचना दी जाएं। इसमें निचली अदालत को किसी विशेष मामले का ब्यौरा उच्च या उच्चतर अदालत को देने का आदेश होता है।

प्रश्न 15 संविधान का हृदय और आत्मा किस अधिकार को कहा जाता है?

उत्तर – संवैधानिक उपचारों के अधिकार को।

2 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 भारतीय संविधान में वर्णित छः अधिकारों को मूल (मौलिक) की संज्ञा क्यो दी गई है?

उत्तर – यह अधिकार वर्षों से चले आ रहे मूल्यों एवं सिद्धान्तों का प्रतीक है। इनके द्वारा व्यक्ति का सर्वागीण विकास होता है।

प्रश्न 2 मौलिक अधिकारों को किस परिस्थिति में निलम्बित किया जा सकता है?

उत्तर – मौलिक अधिकार, विशेषकर अनुच्छेद-19 आपातकाल की स्थिति में निलम्बित किए जा सकते हैं।

प्रश्न 3 भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का क्या अर्थ है?

उत्तर – इसका अर्थ है कि व्यक्ति अपने विचारों को शब्दों के रूप में लिखकर, प्रेस द्वारा छपवाकर, तस्वीरों के द्वारा या कियी अन्य माध्यम से लागों तक पहुंचाना।

प्रश्न 4 बंधुआ मजदूरी से आप क्या समझते है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर – जमींदारों, सूदखोरों और अन्य धनी लोगों द्वारा गरीबों से पीढ़ी दर पीढ़ी मजदूरी करवाना । अब इसे अपराध घोषित कर दिया गया।

प्रश्न 5 बन्दी प्रत्यक्षीकरण क्या है?

उत्तर – न्यायालय द्वारा किसी गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय/जज के सामने उपस्थित होने/ करने का आदेश दिया जाना बंदी प्रत्यक्षीकरण कहलाता है।

प्रश्न 6 शोषण के विरूद्ध अधिकार के अन्तर्गत कौन-से दो प्रावधान है?

उत्तर – (i) अनुच्छेद-23 राज्य पर सकारात्मक जिम्मेदारी डालता है कि वह व्यक्तियों के व्यापार, तथा बेगारी एवं बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगाए।

(ii) अनुच्छेद-14, राज्य 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों को खदानों, कारखानों एवं खतरनाक काम करवाने पर रोक लगाए।

प्रश्न 7 मौलिक अधिकारों के दो महत्व लिखिए।

उत्तर – (i) नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

(ii) भारतीय लोकतंत्र का आधार हैं।

प्रश्न 8 कानूनी अधिकार कौन-से होते हैं?

उत्तर – कानूनी अधिकार वे अधिकार होते है जिन्हें किसी देश के संविधान ने सूचीबद्ध कर रखा है। तथा जिसे उल्लघंन करने पर उल्लंघनकर्ता को सजा मिलती है।

प्रश्न 9 क्या नीति निर्देशक तत्व न्याय संगत है?

उत्तर – नहीं, नीति निर्देशक तत्व न्याय संगत नहीं है। इनके उल्लंघन पर आप न्यायालय में नहीं जा सकते।

प्रश्न 10 मौलिक अधिकार एवं नीति निर्देशक तत्वों में अन्तर लिखिए ।

उत्तर – अन्तर- (i) मौलिक अधिकार न्याय संगत है। नीति निर्देशक तत्व न्याय संगत नहीं है।

(ii) मौलिक अधिकारों का स्वरूप निषेधकारी है। जबकि नीति निर्देशक तत्वों का स्वरूप सकारात्मक है।

प्रश्न 11 मौलिक अधिकारों एवं नीति निर्देशक तत्वों के मध्य विवाद केन्द्र में कौन-सा अधिकार था?

उत्तर – सम्पत्ति का अधिकार, जिसे 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकारों की सूची से निकाल दिया गया।